रणजीत टाइम्स
इंदौर
सोमवार, 15 जून, 2026
वर्ष 02 | अंक 144 कुल पृष्ठ : 8 | Digital
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

'भारत अब दुनिया को समाधान दे रहा'

फ्रांस में 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी

फ्रांस के नीस शहर में आयोजित Bharat Innovates 2026 कार्यक्रम में प्रधानमंत्री Narendra Modi ने कहा कि भारत अब केवल समस्याओं पर चर्चा करने वाला देश नहीं, बल्कि दुनिया को समाधान देने वाला राष्ट्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि नवाचार (Innovation) भारत के डीएनए में है और भारतीय स्टार्टअप तथा युवा वैश्विक चुनौतियों के समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति Emmanuel Macron ने संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में भारत, फ्रांस और अन्य देशों के स्टार्टअप, निवेशक, शोध संस्थान और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच तकनीक, डीप-टेक, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग को नई गति देना है। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम तेजी से बढ़ रहा है और देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, स्पेस टेक्नोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी तथा उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में नई पहचान बना रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के युवा केवल घरेलू जरूरतों के लिए नहीं, बल्कि वैश्विक समस्याओं के समाधान विकसित कर रहे हैं।

'भारत इनोवेट्स 2026' भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष 2026 के तहत आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में भारत के 120 से अधिक डीप-टेक स्टार्टअप, उच्च शिक्षण संस्थान और सैकड़ों वैश्विक निवेशक हिस्सा ले रहे हैं। आयोजन का लक्ष्य भारतीय नवाचारों को अंतरराष्ट्रीय बाजार, निवेश और तकनीकी साझेदारी से जोड़ना है।

प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। दोनों देश रक्षा, अंतरिक्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दे रहे हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने यह भी संकेत दिया कि भारत वैश्विक मंचों पर केवल अपने हितों की नहीं, बल्कि विकासशील देशों और ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं की भी आवाज उठाता रहेगा।

रक्तदान में इंदौर बना मिसाल, 8 साल में 20 हजार से ज्यादा नए रक्तदाता जुड़े

विश्व रक्तदाता दिवस पर सामने आए आंकड़े, हर साल बढ़ रही स्वैच्छिक रक्तदाताओं की संख्या

इंदौर। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर इंदौर से एक प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई है। शहर में रक्तदान के प्रति लोगों की जागरूकता लगातार बढ़ रही है और जरूरतमंदों की मदद के लिए बड़ी संख्या में लोग आगे आ रहे हैं। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग (एमवाय अस्पताल ब्लड सेंटर) के आंकड़ों के अनुसार, पिछले आठ वर्षों में 20 हजार से अधिक नए रक्तदाता इस मुहिम से जुड़े हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, स्वैच्छिक रक्तदान को लेकर चलाए गए जागरूकता अभियानों, सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी और युवाओं में बढ़ती सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का सकारात्मक असर देखने को मिला है। यही कारण है कि हर वर्ष रक्तदाताओं की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है।

एमवाय अस्पताल ब्लड सेंटर के आंकड़े बताते हैं कि नियमित रक्तदाताओं की संख्या बढ़ने से अस्पतालों में रक्त की उपलब्धता बेहतर हुई है। इससे दुर्घटनाओं, ऑपरेशन, प्रसूति और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को समय

पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि एक यूनिट रक्त कई मरीजों की जिंदगी बचाने में सहायक हो सकता है। रक्तदान न केवल जरूरतमंदों के लिए जीवनदान साबित होता है, बल्कि यह समाज में मानवीय संवेदनाओं और सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है। विश्व रक्तदाता दिवस के मौके पर विभिन्न संस्थाओं और स्वास्थ्य संगठनों ने रक्तदाताओं का सम्मान किया तथा लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। विशेषज्ञों ने बताया कि स्वस्थ व्यक्ति निर्धारित अंतराल पर सुरक्षित रूप से रक्तदान कर सकता है और इससे स्वास्थ्य पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। इंदौर में बढ़ते रक्तदाताओं की संख्या यह दर्शाती है कि शहर के नागरिक सामाजिक जिम्मेदारी निभाने में लगातार आगे आ रहे हैं। जरूरतमंद मरीजों के लिए यह बढ़ती भागीदारी किसी जीवनदायिनी पहल से कम नहीं है।

इंदौर चिड़ियाघर में जन्मा दुर्लभ सफेद हिरण, गुलाबी आंखों ने बढ़ाया आकर्षण

मेलेनिन की कमी के कारण मिला अनोखा रंग, वन्यजीव विशेषज्ञ भी मान रहे दुर्लभ घटना

इंदौर। इंदौर के कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय में एक दुर्लभ सफेद हिरण के शावक का जन्म हुआ है। अपने अनोखे सफेद रंग और गुलाबी आंखों के कारण यह शावक लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गया है। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह के सफेद हिरण बहुत कम देखने को मिलते हैं। चिड़ियाघर के प्रभारी डॉ. उत्तम यादव ने बताया कि सामान्यतः मादा हिरण का रंग गेहुआं और नर हिरण का रंग गहरा काला होता है, जबकि उनके शावक भी सामान्य रंगत के साथ जन्म लेते हैं। लेकिन इस बार जन्मे शावक का रंग पूरी तरह सफेद है, जो एक दुर्लभ जैविक स्थिति का परिणाम माना जा रहा है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, शावक के शरीर में मेलेनिन नामक रंगद्रव्य की कमी होने के कारण उसकी त्वचा और बालों का रंग सफेद दिखाई दे रहा है। इसी वजह से उसकी आंखों का रंग भी गुलाबी नजर आता है। इस स्थिति को आमतौर पर एल्बिनिज्म (Albinism) या रंगद्रव्य की कमी से जुड़ी आनुवंशिक अवस्था से जोड़कर देखा जाता है। चिड़ियाघर प्रशासन के अनुसार, शावक पूरी तरह स्वस्थ है और उसकी विशेष निगरानी की जा रही है। पशु चिकित्सकों की टीम नियमित रूप से उसके स्वास्थ्य पर नजर रख रही है ताकि उसे किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों में इस दुर्लभ शावक को देखने को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। चिड़ियाघर प्रशासन का कहना है कि यह जन्म न केवल इंदौर बल्कि वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में भी एक खास उपलब्धि माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे दुर्लभ जन्म प्रकृति की जैव विविधता और आनुवंशिक विशेषताओं को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। सफेद हिरण का यह शावक आने वाले दिनों में चिड़ियाघर का प्रमुख आकर्षण बन सकता है।

राज्यसभा की राह में अड़चन!

कमलनाथ की दिल्ली वापसी की उम्मीदों को लगा झटका

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के बाद बदले सियासी समीकरण, कांग्रेस में चर्चाओं का दौर तेज

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री की संभावित 'दिल्ली वापसी' को लेकर चल रही चर्चाओं को बड़ा झटका लगा है। राजनीतिक गलियारों में लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही थीं कि कमलनाथ राज्यसभा के जरिए राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन ताजा घटनाक्रम ने इन संभावनाओं पर फिलहाल विराम लगा दिया है।

सूत्रों के अनुसार, विधानसभा चुनाव 2023 में कांग्रेस की हार के बाद कमलनाथ की सक्रियता राज्य स्तर पर अपेक्षाकृत कम रही है। इसी बीच उनके राज्यसभा जाने की चर्चाएं तेज हो गई थीं और माना जा रहा था कि पार्टी नेतृत्व भी इस विकल्प पर विचार कर रहा है। हालांकि घटनाक्रम ने अचानक नया मोड़ ले लिया।

राजनीतिक सूत्रों का दावा है कि कांग्रेस की वरिष्ठ नेता के नामांकन रद्द होने के बाद पार्टी के भीतर कई समीकरण बदल गए। इसी वजह से राज्यसभा सीट को लेकर बनाई गई रणनीति प्रभावित हुई और कमलनाथ की संभावित उम्मीदवारी को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि पार्टी फिलहाल संगठनात्मक संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और आगामी चुनावी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए फैसले ले रही है। ऐसे में राज्यसभा सीटों को लेकर अंतिम निर्णय में कई राजनीतिक और संगठनात्मक पहलुओं को महत्व दिया जा रहा है। हालांकि कांग्रेस की ओर से इस पूरे घटनाक्रम पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। वहीं, कमलनाथ भी सार्वजनिक रूप से इस विषय पर कोई टिप्पणी करने से बचते रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मध्य प्रदेश कांग्रेस में नेतृत्व और संगठन से जुड़े मुद्दों पर लगातार मंथन जारी है। ऐसे में राज्यसभा चुनाव से जुड़े फैसले केवल एक व्यक्ति की भूमिका तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पार्टी की व्यापक रणनीति का हिस्सा माने जा रहे हैं। फिलहाल यह स्पष्ट है कि कमलनाथ की राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय वापसी को लेकर जो चर्चाएं तेज थीं, उन्हें तत्काल राहत नहीं मिली है।

5 साल पुराने तवा ब्रिज में दरार से बढ़ी चिंता, भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक

नर्मदापुरम के सबसे लंबे पुल में क्रैक मिलने के बाद प्रशासन अलर्ट, मरम्मत कार्य शुरू

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में स्थित तवा नदी पर बने सबसे लंबे पुल में दरार (क्रैक) मिलने के बाद प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की चिंता बढ़ गई है। सुरक्षा के मद्देनजर पुल पर भारी वाहनों की आवाजाही पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है, जबकि हल्के वाहनों को सावधानी के साथ गुजरने की अनुमति दी गई है। जानकारी के अनुसार, नियमित निरीक्षण के दौरान पुल के एक हिस्से में तकनीकी खामी और दरारें दिखाई दीं।

इसके बाद विशेषज्ञों की टीम ने मौके का निरीक्षण किया और एहतियातन भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की। करीब 25 वर्ष पुराने इस तवा ब्रिज को नर्मदापुरम और आसपास के क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग माना जाता है। पुल पर भारी यातायात का दबाव रहता है, ऐसे में किसी भी संभावित दुर्घटना को रोकने के लिए प्रशासन ने त्वरित कदम उठाए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुल की विस्तृत तकनीकी जांच कराई जा रही है और आवश्यक मरम्मत कार्य भी शुरू कर दिया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह तय किया जाएगा कि भारी वाहनों की आवाजाही कब तक बहाल की जा सकेगी।

प्रशासन ने ट्रक, बस और अन्य भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए हैं ताकि यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो। वहीं, स्थानीय लोगों से भी पुल से गुजरते समय सावधानी बरतने और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि पुराने पुलों की समय-समय पर तकनीकी जांच और रखरखाव बेहद जरूरी है।

भोपाल ATS की बड़ी कार्रवाई: फराज और नईम पर आतंकी नेटवर्क से जुड़े होने का आरोप, परिवार के लापता होने की चर्चा

पाकिस्तान से जुड़े कथित मॉड्यूल की जांच तेज, ATS को मिले कई अहम सुराग

भोपाल। मध्य प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (ATS) ने भोपाल के काजी कैंप क्षेत्र से मोहम्मद फराज उर्फ सैफुल्लाह को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों का आरोप है कि वह पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के संपर्क में था और देश में कट्टरपंथी विचारधारा फैलाने तथा युवाओं को जोड़ने की कोशिश कर रहा था। मामले में नईम अब्दुल्ला का नाम भी सामने आया है, जिस पर नेटवर्क से जुड़े होने का आरोप है। ATS के अनुसार, पूछताछ में फराज के कई वर्षों से नईम अब्दुल्ला के संपर्क में रहने और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए विदेशी हैंडलरों से जुड़ने की जानकारी मिली है। एजेंसी का दावा है कि आरोपियों को कथित तौर पर भारत में कट्टरपंथी नेटवर्क खड़ा करने और तथाकथित "मिशन 2047" के तहत शरिया कानून लागू करने जैसे उद्देश्यों के लिए प्रेरित किया जा रहा था। हालांकि इन आरोपों की न्यायिक पुष्टि अभी बाकी है और जांच जारी है।

जांच एजेंसियों का यह भी कहना है कि फराज कथित रूप से अफगानिस्तान या पश्चिम एशिया जाकर प्रशिक्षण लेने की तैयारी में था। उसके पास से संदिग्ध दस्तावेज, जिहादी साहित्य और डिजिटल सामग्री बरामद होने का दावा किया गया है। इसी बीच, स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि फराज की गिरफ्तारी के बाद उसका परिवार घर छोड़कर कहीं चला गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, उसके घर और क्लिनिक पर ताला लगा मिला, हालांकि परिवार के लापता होने संबंधी जानकारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ATS ने फराज के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। एजेंसियां अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य संभावित लोगों की तलाश में जुटी हैं और मामले की जांच कई राज्यों तक फैल सकती है।

रणजीत टाइम्स

पंजाब में OBC वोटों पर भाजपा की नजर,

2027 चुनाव से पहले नए सामाजिक समीकरण साधने की तैयारी

सम्मेलन और जनसंपर्क अभियान के जरिए पिछड़ा वर्ग को जोड़ने की कोशिश, बदल सकते हैं चुनावी गणित

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) समुदाय के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति तेज कर दी है। इसी कड़ी में पार्टी ने विभिन्न क्षेत्रों में सम्मेलन और जनसंपर्क कार्यक्रमों का आयोजन शुरू किया है, जिसके जरिए पिछड़े वर्ग के मतदाताओं तक अपनी पहुंच बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, पंजाब की राजनीति में OBC समुदाय की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। राज्य के कई विधानसभा क्षेत्रों में यह वर्ग चुनावी परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। ऐसे में भाजपा इस वोट बैंक को अपने पक्ष में लाने के लिए विशेष अभियान चला रही है। भाजपा नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों को OBC समुदाय तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। पार्टी का लक्ष्य उन वर्गों के बीच अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना है, जहां अब तक उसकी राजनीतिक उपस्थिति अपेक्षाकृत सीमित रही है।

विश्लेषकों का मानना है कि पंजाब की राजनीति लंबे समय से पारंपरिक सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। हालांकि बदलते राजनीतिक परिदृश्य में विभिन्न दल नए सामाजिक समूहों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा की यह रणनीति भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। राज्य में सत्तारूढ़ दलों और विपक्षी पार्टियों की नजर भी OBC मतदाताओं पर बनी हुई है। यही वजह है कि आने वाले समय में इस वर्ग को लेकर राजनीतिक गतिविधियां और तेज होने की संभावना है। पंजाब के राजनीतिक समीकरणों में OBC समुदाय की बढ़ती अहमियत को देखते हुए भाजपा का यह अभियान आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति में नई दिशा और नए समीकरण पैदा कर सकता है।

TMC में बढ़ी अंदरूनी कलह?

भाजपा नेता शांतनु ठाकुर का बड़ा दावा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर सियासी हलचल तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस (TMC) में कथित अंदरूनी असंतोष और बागी नेताओं की चर्चाओं के बीच केंद्रीय मंत्री ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि टीएमसी के कई नेता भारतीय जनता पार्टी में शामिल होना चाहते हैं, लेकिन फिलहाल भाजपा ने उनके लिए अपने दरवाजे नहीं खोले हैं। शांतनु ठाकुर ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर असंतोष बढ़ रहा है और कई नेता पार्टी के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में टीएमसी की राजनीतिक स्थिति कमजोर हो सकती है और पार्टी के कई नेता नए राजनीतिक विकल्प तलाश सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि भाजपा पश्चिम बंगाल में लगातार अपना जनाधार बढ़ा रही है और राज्य की जनता परिवर्तन चाहती है। उनके मुताबिक, भाजपा संगठन को मजबूत करने और अपने कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता देने की नीति पर काम कर रही है, इसलिए अन्य दलों से आने वाले नेताओं को लेकर पार्टी सोच-समझकर निर्णय ले रही है। हालांकि, की ओर से इन दावों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। टीएमसी नेताओं का कहना है कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है और विपक्ष द्वारा भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले इस तरह के बयान राज्य की सियासत को और गरमा सकते हैं। भाजपा और टीएमसी के बीच जारी राजनीतिक मुकाबले के बीच नेताओं के दल-बदल की अटकलें भी लगातार चर्चा का विषय बनी हुई हैं। फिलहाल, शांतनु ठाकुर के इस बयान ने बंगाल की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं और तेज होने की संभावना है।

आस्था की ऐतिहासिक यात्रा शुरू, कैलाश मानसरोवर के लिए पहला जत्था रवाना

वर्षों बाद फिर गूंजेगा 'हर-हर महादेव', श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह और भक्ति का माहौल

नई दिल्ली। भगवान शिव के पवित्र धाम माने जाने वाले की तीर्थयात्रा के लिए श्रद्धालुओं का पहला जत्था रवाना हो गया है। यात्रा शुरू होने के साथ ही श्रद्धालुओं में उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। रवाना होने से पहले यात्रियों ने पूजा-अर्चना कर सफल और सुरक्षित यात्रा की कामना की। विदेश मंत्रालय और संबंधित एजेंसियों की देखरेख में आयोजित इस यात्रा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण, दस्तावेजों का सत्यापन और आवश्यक प्रशिक्षण पहले ही पूरा कर लिया गया था। कैलाश मानसरोवर यात्रा हिंदू, बौद्ध, जैन और बोन परंपरा के अनुयायियों के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखती है। मान्यता है कि कैलाश पर्वत भगवान शिव का निवास स्थान है, जबकि मानसरोवर झील आध्यात्मिक शुद्धता और मोक्ष का प्रतीक मानी जाती है। अधिकारियों के अनुसार, यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। विभिन्न चरणों में तीर्थयात्रियों के अन्य जत्थे भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रवाना होंगे। श्रद्धालुओं ने यात्रा शुरू होने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि कैलाश मानसरोवर के दर्शन उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक सपना है। कई यात्रियों ने इसे सौभाग्य और जीवन की सबसे बड़ी धार्मिक यात्राओं में से एक बताया। कैलाश मानसरोवर यात्रा को दुनिया की सबसे कठिन और पवित्र तीर्थयात्राओं में गिना जाता है।

सहजयोग: आत्मसाक्षात्कार से प्रेममय जीवन की ओर आत्मा का बस एक ही आभूषण है सभी से अनन्य प्रेम - श्री माताजी

आज का मनुष्य भौतिक उपलब्धियों और व्यक्तिगत स्वार्थों की दौड़ में इतना व्यस्त हो गया है कि उसके जीवन से सहज प्रेम, करुणा और आत्मीयता धीरे-धीरे कम होती जा रही है। जब जीवन केवल शरीर और अहंकार के स्तर पर जीया जाता है, तब व्यक्ति के भीतर असंतोष, प्रतिस्पर्धा और अलगाव की भावना बढ़ने लगती है। किंतु आत्मज्ञान की प्राप्ति होने पर मनुष्य यह अनुभव करता है कि उसका वास्तविक स्वरूप प्रेम है और प्रेम ही आत्मा का स्वाभाविक गुण है। सच्चा प्रेम किसी अपेक्षा, स्वार्थ या अधिकार भावना से बंधा नहीं होता।

वह सबके प्रति समान रूप से प्रवाहित होता है। सभी संतों और महापुरुषों ने प्रेम को ही ईश्वर तक पहुँचने का सबसे सरल और प्रभावशाली मार्ग बताया है। परमात्मा के लिए बाहरी दिखावा, दान या आडंबर से अधिक महत्वपूर्ण हृदय की निर्मलता और प्रेमपूर्ण भावनाएँ हैं। अक्सर सांसारिक संबंधों में हमारा प्रेम आसक्ति का रूप ले लेता है। हम अपने प्रियजनों को अपने विचारों और इच्छाओं के अनुसार चलाना चाहते हैं। जब वे हमारी अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरते, तब दुःख, क्रोध या निराशा उत्पन्न होती है। यही आसक्ति प्रेम की शुद्धता को प्रभावित करती है। इस परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने समझाया है कि मनुष्य को अपने आत्मगौरव में स्थित होकर सभी के प्रति संवेदनशील और करुणामय होना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति असंतुलित या गलत दिशा में जा रहा हो, तो हमें स्वयं असंतुलित होने के बजाय उसे संतुलन की ओर ले जाने का प्रयास करना चाहिए। जब व्यक्ति अपने आत्मस्वरूप में स्थित होता है, तब उसके भीतर से घृणा, क्रोध, ईर्ष्या और प्रतिस्पर्धा जैसी नकारात्मक भावनाएँ स्वतः समाप्त होने लगती हैं।सहजयोग ध्यान के माध्यम से प्राप्त आत्मसाक्षात्कार व्यक्ति के भीतर इस निर्लिप्त प्रेम को जागृत करता है। यह प्रेम न केवल स्वयं के जीवन को आनंद और शांति से भर देता है, बल्कि परिवार, समाज और सम्पूर्ण मानवता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करता है। आत्मज्ञान के प्रकाश में व्यक्ति यह अनुभव करता है कि सम्पूर्ण सृष्टि एक ही परम चेतना से जुड़ी हुई है और सभी मनुष्य एक ही परमात्मा की संतान हैं। सहजयोग ध्यान के माध्यम से आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में शांति, संतुलन और निर्लिप्त प्रेम का अनुभव कर सकता है। ध्यान की इस वैज्ञानिक एवं पूर्णतः निःशुल्क पद्धति की अधिक जानकारी हेतु हेल्पलाइन नंबर 18002700800 अथवा www.sahajayoga.org.in पर संपर्क करें।

चिकित्सा विज्ञान का अनुषंगी बन सकता है सहज ध्यान योग

चिकित्सा विज्ञान की अनुषंगी सहज ध्यान योग से हमारा तात्पर्य यह है कि यदि आधुनिक चिकित्सा के साथ ध्यान योग को पूरक चिकित्सा पद्धति के रूप में अपनाया जाय तो यह तनाव कम करने, मानसिक स्वास्थ्य सुधारने, प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत करने और हृदय रोगों व पाचन समस्याओं जैसी स्थितियों में लाभकारी हो सकता है। सहज ध्यान योग से शारीरिक और मानसिक संतुलन स्थापित होता है, और यह निवारक, सहायक और पुनर्वास चिकित्सा का एक प्रभावी साधन सिद्ध होता है।

बीमारियाँ मन से गहराई से जुड़ी होती हैं, क्योंकि तनाव शारीरिक बीमारियों का कारण बनती है और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। मानसिक स्थितियाँ (जैसे डिप्रेशन, चिंता) शरीर को कमजोर कर सकती हैं, जिससे दर्द, थकान और अन्य शारीरिक लक्षण दिखते हैं। यह एक दोतरफा रिश्ता है जहाँ मन और शरीर एक-दूसरे पर गहरा असर डालते हैं, जैसे थायरॉयड की समस्या डिप्रेशन का कारण बन सकती है, और तनाव हृदय रोगों को बढ़ा सकता है। सहज योग की तकनीक में आत्मसाक्षात्कार की प्रक्रिया से गुजरते ही सुषुम्ना नाड़ी में सोई हुई कुंडलिनी शक्ति जागृत होकर मध्य नाड़ी यानि सुषुम्ना से ऊपर उठती है और सिर के ऊपर सहस्रार चक्र का भेदन करती है, जिससे साधक ब्रह्मांडीय ऊर्जा से जुड़ जाता है। चक्रों के जागृति से उसके अंदर स्वयं को देखने वाली दृष्टि आ जाती है जिससे वह अपने शारीरिक व मानसिक दोषों को देखकर उसे दूर करने की योग्यता पा लेता है। वैसे मामूली बीमारियों के लिए सिर्फ ध्यान योग ही काफी हो सकता है, लेकिन गंभीर या उन्नत अवस्था के रोगों में यह एकमात्र उपचार के रूप में पर्याप्त नहीं होता और इसे अन्य एलोपैथिक उपचारों के साथ पूरक (supplementary) के रूप में उपयोग किया जा सकता है। सहज ध्यान योग की तकनीक में साधक अपने चारों ओर फैले ईश्वरीय चैतन्य से एकाकारिता पा लेता है और दूसरे व्यक्ति की शारीरिक मानसिक समस्या तक अपने चैतन्य को प्रसारित कर उसकी सहायता करने में समर्थ हो जाता है। यदि चिकित्सक और मरीज दोनों ही सहज योग प्रक्रिया से ध्यान करें तो रोग के सुधार में बेहतरीन रिजल्ट आयेंगे। जिस प्रकार डॉक्टर मरीज को स्टेथोस्कोप से चेक करते हैं वैसे सहज ध्यान से व्यक्ति के किस चक्र में समस्या है, ध्यानावस्था में उसका आभास हाथों की उंगलियों के पोर पर कर लेता है। चिकित्सा विज्ञान (शरीर-केंद्रित) और आध्यात्मिक विज्ञान (मन-आत्मा-केंद्रित) है और एक-दूसरे के पूरक हैं, जहाँ विज्ञान रोगों का इलाज करता है और आध्यात्मिकता मानसिक शांति व संपूर्ण स्वास्थ्य देती है, और दोनों मिलकर व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान कर सकते हैं। अतः इसकी सूक्ष्मता को समझते हुये चिकित्सक व सभी मानव मात्र सहज योग से जुड़ें और मानव उत्थान में एक सकारात्मक कदम उठाये। आत्मसाक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग सदैव निःशुल्क है।

प्रतिभा का सम्मान: शैली वर्मा ने CLAT परीक्षा उत्तीर्ण कर बढ़ाया परिवार और प्रदेश का मान

इंदौर। मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर छात्रा शैली वर्मा ने प्रतिष्ठित CLAT (कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट) परीक्षा उत्तीर्ण कर देश की अग्रणी विधि शिक्षण संस्थाओं में से एक Gujarat National Law University में प्रवेश प्राप्त किया है। शैली की इस उपलब्धि से परिवार में हर्ष का माहौल है। परिजनों ने बताया कि शैली ने निरंतर परिश्रम और समर्पण के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखी, जिसका परिणाम आज उसे इस सफलता के रूप में प्राप्त हुआ है। परिवार को अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर गर्व है। इस अवसर पर Prahlad Singh Patel द्वारा शैली वर्मा को सम्मानित भी किया गया। उन्होंने शैली के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थी समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणा बनते हैं। शैली वर्मा की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। परिवार, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने शैली को शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्वल भविष्य की कामना की है।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, सोमवार 15 जून 2026

नाबालिग से दरिंदगी: राजीनामा कराने आए आरोपी को पुलिस ने दबोचा, हथकड़ी पहन पहुँचा जेल

अतुल जैन

खनियांधाना। खनियाधाना थाना पुलिस ने नाबालिग बालिका के साथ बलात्कार के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के कुशल निर्देशन में अंजाम दी गई।

(क्या है पूरा मामला)

थाना खनियाधाना में अपराध क्रमांक 112/2026, धारा 137(2) बीएनएस, इजाफा धारा 65(1), 64(2)(M), 87, 127(4) बीएनएस, 5/6 पॉक्सो एक्ट एवं एससी/एसटी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था। इस गंभीर मामले को पुलिस अधीक्षक ने संज्ञान में लेते हुए आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे।

(मुखबिर की सूचना पर बिछाया जाल)

पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि आरोपी अनिल कुमार जाट अपने परिजनों के साथ फरियादी के घर राजीनामा करने के उद्देश्य से आ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने ग्राम मुडिया के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपी भागने का प्रयास कर रहा था, जिसे टीम ने तत्परता दिखाते हुए दबोच लिया। पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम अनिल कुमार जाट (23 वर्ष) पुत्र राकेश कुमार जाट, निवासी नगला दुर्जिया, मिठाबली, थाना सादाबाद, जिला हाथरस (उत्तर प्रदेश) बताया।

(न्यायालय के निर्देश पर जेल दाखिल)

विवेचना अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) पिछोर, श्री प्रशांत शर्मा ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसका मेडिकल परीक्षण करवाया। आज दिनांक 14 जून 2026 को आरोपी को माननीय न्यायालय खनियाधाना में पेश किया गया, जहाँ से जेल वारंट प्राप्त होने पर उसे सर्किल जेल शिवपुरी दाखिल कर दिया गया।

(पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका)

इस कार्रवाई में निरी. केदार सिंह यादव, सउनि रामसिंह भिलाला, सउनि हजारीलाल जाटव, सउनि जगदीश शरण बंजारा, सउनि बालकिशन अहिरवार, प्रआर नीतू सिंह, प्रआर हीरा सिंह, प्रआर भानू पाठक, प्रआर धर्मेन्द्र भट्ट, आरक्षक रोहित कुमार उपाध्याय, अनूप कुमार, हेमसिंह गुर्जर, योगेन्द्र सिंह, रवि बाथम, उमेश लोधी, दीपक किरार और अरविन्द्र सिंह कौरव की सराहनीय भूमिका रही।

बुरहानपुर: डॉ. शेरसिंह एस. पवार को पीएचडी की उपाधि मिलने पर समाज में हर्ष, पूर्व राज्य मंत्री संजय जाधव ने दी शुभकामनाए

महेन्द्र मालवीय

बुरहानपुर:- जिले के ग्राम डोंगरगांव निवासी डॉ. शेरसिंह एस. पवार ने अपनी पीएचडी (Ph.D.) का शोध कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस सफलता पर क्षेत्र और समाज में हर्ष का माहौल है। इस विशेष उपलब्धि पर पूर्व राज्य मंत्री व भाजपा जिला महामंत्री संजय जाधव ने डॉ. शेरसिंह को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा, "यह पूरे समाज के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है। डॉ. शेरसिंह ने यह बड़ी उपलब्धि हासिल कर न केवल अपने परिवार का, बल्कि पूरे समाज का नाम रोशन किया है। युवा पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। इस सफलता से मन अत्यंत प्रसन्न और हर्षित है।"

ग्रामीणों और समाज जनों ने जताया गौरव

डॉ. शेरसिंह एस. पवार की इस शैक्षणिक उपलब्धि पर डोंगरगांव सहित आसपास के क्षेत्र के लोगों में भारी उत्साह देखा गया। इस दौरान प्रवीण पवार, चंदन पवार, ईश्वर पवार, आत्माराम पवार, रामजी पवार, नेमीचंद पवार, शिवलाल पवार और महेंद्र पवार सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासियों और समाज जनों ने उपस्थित होकर डॉ. पवार को पुष्पगुच्छ भेंट किए और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

बधाइयों का तांताः ग्रामीणों का कहना है कि ग्रामीण अंचल से निकलकर शिक्षा के क्षेत्र में इतना बड़ा मुकाम हासिल करना बेहद गर्व की बात है। डॉ. शेरसिंह की इस सफलता पर उन्हें लगातार बधाई संदेश मिल रहे हैं।

रावत समाज युवा संगठन द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन; मेधावी छात्र-छात्राएं हुए सम्मानित.....

ऋषि गोस्वामी

जिला शिवपुरी रावत समाज युवा संगठन के तत्वावधान में समाज के होनहार और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के उत्साहवर्धन के लिए एक भव्य *'प्रतिभा सम्मान समारोह'** का आयोजन किया गया। रंग-बिरंगे टेंट और आकर्षक मंच से सजे इस विशाल पाण्डाल में समाज के सैकड़ों प्रबुद्ध नागरिकों, युवाओं और मातृशक्ति ने शिरकत की।

मंच पर हुआ अतिथियों का स्वागत-समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथियों के स्वागत और समाज के आराध्य देव के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और युवा संगठन के पदाधिकारियों ने मंच साझा किया।

बड़ी स्क्रीन पर दिखा उत्साह, अतिथियों ने बढ़ाया मान-कार्यक्रम के दौरान आधुनिकता और भव्यता का विशेष ध्यान रखा गया। मंच के केंद्र में लगी एक विशाल *एलईडी (LED) स्क्रीन* के माध्यम से प्रत्येक प्रतिभा के सम्मान के क्षण को उपस्थित जनसमुदाय को लाइव दिखाया गया। समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए मुख्य अतिथियों द्वारा अत रावत युवा संगठन द्वारा टॉपर दो छात्रों को लैपटॉप प्रदान किए गए स्मृति चिह्न (शील्ड) और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिक्षा ही समाज की असली ताकत"- समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा ही किसी भी समाज के विकास की धुरी है। आज के इस दौर में हमारे समाज के युवाओं ने शिक्षा, खेल और प्रशासनिक सेवाओं में नए आयाम स्थापित किए हैं। युवा संगठन का यह प्रयास सराहनीय है क्योंकि ऐसे आयोजनों से न केवल वर्तमान प्रतिभाओं का मान बढ़ता है, बल्कि आने वाली पीढ़ी को भी आगे बढ़ने की नई ऊर्जा मिलती है। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर रावत समाज युवा संगठन के पदाधिकारियों ने पधारे हुए सभी अतिथियों, प्रबुद्धजनों और युवाओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि समाज के विकास और युवाओं के मार्गदर्शन के लिए संगठन भविष्य में भी ऐसे रचनात्मक और प्रेरणादायक कार्य करता रहेगा। सम्मान पाकर छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

रावत युवा संगठन के अध्यक्ष (सुरेंद्र सिंह रावत मणिखेड़ा)- एवं पूर्व अध्यक्ष विक्रम सिंह रावत संगठन सदस्य प्रमोद रावत लालगढ़ हरदीप रावत ब्रज रावत धर्मेंद्र रावत मुड़री नरोत्तम रावत छोटू रावत खेरोना ओम रावत रणबीर रावत दीपक रावत सतीश रावत केदार रावत लक्ष्मण रावत जलवासा यशवंत रावत अशोक रावत रावत युवा संगठन के सभी सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाया

अछरौनी हत्याकांड: आम तोड़ने के विवाद में भाभी की जान लेने वाले चाचा-भतीजे गिरफ्तार, खनियाधाना पुलिस ने भेजा जेल

अतुल जैन

ग्वालियर में इलाज के दौरान हुई थी खुमनिया प्रजापति की मौत
एसपी यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई
हत्या में प्रयुक्त लाठी बरामद

खनियाधाना। थाना खनियाधाना पुलिस ने आम तोड़ने के मामूली विवाद में अपनी सगी भाभी की हत्या करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। माननीय न्यायालय से जेल वारंट जारी होने पर दोनों आरोपियों को उपजेल पिछोर दाखिल कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया ने हत्या जैसे जघन्य अपराध में तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे।

(क्या है पूरा मामला)

19 मई 2026 को फरियादिया खुमनिया प्रजापति पत्नी स्व. दयाराम प्रजापति, उम्र 50 वर्ष, निवासी ग्राम अछरौनी ने थाना खनियाधाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। खुमनिया ने बताया कि वह घर के बाहर बैठी थी तभी देवर सिरनाम प्रजापति,

भतीजा राहुल प्रजापति और लुक्का उर्फ सोनसिंह प्रजापति वहां आए। शामलाती आम के पेड़ से आम तोड़ने की बात पर तीनों ने गंदी-गंदी गालियां देना शुरू कर दीं। विवाद बढ़ने पर सिरनाम प्रजापति ने लाठी-लुहांगी से खुमनिया के सिर पर वार कर दिया, जिससे गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। राहुल और लुक्का उर्फ सोनसिंह ने भी खुमनिया और रामकुमार प्रजापति के साथ मारपीट की। पुलिस ने तत्काल अपराध क्रमांक 177/2026 धारा 296ए, 115(2), 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की।

(इलाज के दौरान हुई मौत, हत्या की धारा बढ़ाई)

घायल खुमनिया प्रजापति को इलाज के लिए जेएएच अस्पताल ग्वालियर रेफर किया गया था। इलाज के दौरान खुमनिया की मौत हो गई। मृत्यु के बाद पुलिस ने प्रकरण में धारा 118(1), 103(1) बीएनएस का इजाफा कर हत्या की धारा में तब्दील कर दिया।

(ऐसे पकड़े गए आरोपी)

एसपी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले के निर्देशन तथा एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरी. केदार सिंह यादव ने टीम गठित की। टीम ने दबिश देकर आरोपी 1. सिरनाम प्रजापति पुत्र कम्भोद उर्फ कम्भोदा उम्र 52 साल और 2. लुक्का उर्फ सोनसिंह उर्फ सोहनसिंह पुत्र सिरनाम प्रजापति उम्र 20 साल, निवासीगण प्रजापति मौहल्ला ग्राम अछरौनी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने जुर्म स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लाठी बरामद कर ली है। आरोपियों का मेमोरेण्डम लेकर जप्ती की कार्रवाई की गई। शुक्रवार 13 जून 2026 को दोनों आरोपियों को माननीय न्यायालय खनियाधाना में पेश किया गया, जहां से जेल वारंट प्राप्त होने पर उपजेल पिछोर भेज दिया गया। तीसरे आरोपी राहुल प्रजापति की तलाश जारी है।

(इनकी रही सराहनीय भूमिका)- इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरी. केदार सिंह यादव के नेतृत्व में सउनि रामसिंह भिलाला, सउनि हजारीलाल जाटव, सउनि जगदीश शरण बंजारा, प्रआर. नरेन्द्र सिंह पाल, प्रआर. नीतू सिंह, प्रआर. हीरा सिंह, आर. अनूप कुमार, आर. हेमसिंह गुर्जर, आर. योगेन्द्र सिंह, आर. रवि बाथम, आर. उमेश लोधी, आर. दीपक किरार, आर. अरविन्द्र सिंह कौरव, आर. आशीष राजपूत, म.आर. हनीराजा चौहान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

हादसा नहीं साजिश

कोलकाता में EVM जलने पर संजय राउत का आरोप

मुंबई/कोलकाता। 4000 EVM जलने की घटना पर गरमाई सियासत, चुनावी पारदर्शिता को लेकर उठे सवाल कोलकाता में कथित तौर पर बड़ी संख्या में ईवीएम (EVM) जलने की घटना को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के वरिष्ठ नेता और सांसद ने इस मामले को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि यह कोई साधारण हादसा नहीं, बल्कि चुनावी सबूत मिटाने की साजिश हो सकती है। संजय राउत ने दावा किया कि लगभग 4000 ईवीएम के जलने की घटना बेहद गंभीर है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि चुनावी प्रक्रिया से जुड़े उपकरण इस तरह नष्ट होते हैं तो इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनावी पारदर्शिता पर सवाल खड़े होते हैं राउत ने पश्चिम बंगाल के चुनावी परिणामों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि इस मामले के पीछे राजनीतिक मंशा हो सकती है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि पूरे घटनाक्रम की गहन जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। हालांकि, उन्होंने अपने आरोपों के समर्थन में कोई सार्वजनिक प्रमाण पेश नहीं किया। वहीं, भाजपा नेताओं ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए इसे राजनीतिक बयानबाजी बताया है। पार्टी का कहना है कि बिना तथ्यों और जांच रिपोर्ट के इस तरह के आरोप लगाना उचित नहीं है। गौरतलब है कि ईवीएम से जुड़े किसी भी मामले को लेकर चुनावी और राजनीतिक दलों के बीच अक्सर बहस होती रही है। ऐसे में कोलकाता की इस घटना ने एक बार फिर चुनावी प्रक्रिया की सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर चर्चा तेज कर दी है। अब सभी की निगाहें इस मामले में होने वाली जांच और आधिकारिक रिपोर्ट पर टिकी हैं। जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह घटना तकनीकी दुर्घटना थी या इसके पीछे कोई अन्य कारण था।

पुलिस थाना करैरा जिला शिवपुरी ने शातिर बदमाश को गिरफ्तारी वारंट में गिरफ्तार किया

हेमंत भार्गव

करैरा : पुलिस अधीक्षक यांगचेन भूटिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं प्रभारी एसडीओपी करैरा प्रशांत शर्मा के निर्देशन में असामाजिक तत्वों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में थाना करैरा प्रभारी निरीक्षक विनोद सिंह छाबई के नेतृत्व में पुलिस थाना की करैरा की टीम ने मुखबिर की सूचना पर आइटीबीपी गेट के पास से करैरा से शातिर बदमाश अजय जाटव निवासी ग्राम दाबर भाट करैरा को गिरफ्तारी वारंट में गिरफ्तार किया जिसका मान्यनीय न्यायालय श्री मान रजनेश पाल जेएमएफसी करैरा के प्रकरण क्रमांक आरसीटी 172 / 21अपराध क्रमांक583 /20 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट में जारी किया था। इसके विरुद्ध थाना करैरा में अन्य अपराध भी पंजीबद्ध हैं। गिरफ्तारी कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद सिंह छाबई, सउनि शैलेन्द्र सिंह चौहान, प्रधान आरक्षक राजेन्द्र यादव, आरक्षक गोविंद सिंह रावत , एनआरएस मनमोहन तोमर व राहुल पाल की मुख्य भूमिका रही।

खनियाधाना पुलिस की तत्परता: 17 दिन से लापता नाबालिग को आगरा से सकुशल लाई वापस, परिजनों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

अतुल जैन

एसपी यांगचेन डोलकर भूटिया के 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत कार्रवाई खंदौली बस स्टैंड के प्रतीक्षालय से दस्तयाब ,आरोपी की तलाश जारी

खनियाधाना । पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर चलाए जा रहे 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत खनियाधाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 112/26 धारा 137(2) बीएनएस में 17 दिन पहले घर से लापता हुई नाबालिग बालिका को उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के खंदौली बस स्टैंड से सकुशल दस्तयाब कर लिया। शुक्रवार को कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर बालिका को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। बेटी को सुरक्षित देख परिजन भावुक हो गए और पुलिस टीम का आभार जताया।

ऐसे मिली सफलता

एसपी श्रीमती भूटिया ने जिले में गुम नाबालिग बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी के लिए सभी थानों को सख्त निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में खनियाधाना थाना प्रभारी निरी. केदार सिंह यादव ने टीम गठित की।थाना प्रभारी ने बताया कि 27 मई 2026 को परिजनों ने नाबालिग के अचानक घर से लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामला दर्ज कर अपहरण की धारा 137(2) बीएनएस में केस कायम किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। साइबर सेल की मदद से बालिका की अंतिम लोकेशन आगरा के खंदौली क्षेत्र में मिली।

गुरुवार देर रात टीम ने आगरा पहुंचकर खंदौली बस स्टैंड के प्रतीक्षालय में दबिश दी, जहां बालिका अकेली सहमी हुई बैठी मिली। पुलिस ने तत्काल उसे अभिरक्षा में लेकर थाने लाया गया। यहां महिला पुलिस अधिकारी की मौजूदगी में काउंसलिंग कर बयान दर्ज किए गए। मेडिकल परीक्षण के बाद शुक्रवार को परिजनों को सौंप दिया गया।

प्रारंभिक पूछताछ में क्या आया सामने

पुलिस सूत्रों के अनुसार बालिका को बहला-फुसलाकर ले जाया गया था। आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए टीम रवाना कर दी गई है। मामले में अन्य धाराएं बढ़ाई जा सकती हैं।

एसपी ने दी टीम को शाबाशी

पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया ने पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि नाबालिग से जुड़े मामलों में शिवपुरी पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका:

इस संवेदनशील कार्रवाई को सफल बनाने में थाना प्रभारी निरी. केदार सिंह यादव के नेतृत्व में सउनि जगदीश शरण बंजारा, आरक्षक अनूप कुमार, आरक्षक हेम सिंह तथा महिला आरक्षक हनीराजा चौहान की विशेष भूमिका रही। टीम लगातार 48 घंटे से आगरा में डेरा डाले हुए थी।

मनीष राजपूत बने केंद्रीय मंत्री सिंधिया के सांसद प्रतिनिधि, गुना-शिवपुरी-अशोकनगर क्षेत्र की जिम्मेदारी

ऋषि गोस्वामी

भोपाल। जल संरक्षण और आदिवासी अधिकारों के लिए समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता मनीष राजपूत को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मनीष राजपूत को गुना-शिवपुरी-अशोकनगर लोकसभा क्षेत्र के लिए अपना सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया है। उन्हें विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति (ST) विभाग से जुड़ी योजनाओं और कार्यों के क्रियान्वयन का दायित्व सौंपा गया है।

जमीनी स्तर पर सक्रियता और पहचान

मनीष राजपूत पिछले एक दशक से अधिक समय से आदिवासी समाज के उत्थान, जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर कार्य कर रहे हैं। उनकी इसी निष्ठा और कार्यकुशलता के कारण उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रतिष्ठित 'वाटर हीरो' पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के लिए उनके द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना समय-समय पर होती रही है।

समर्थकों में खुशी की लहर

मनीष राजपूत की नियुक्ति से क्षेत्र के सामाजिक संगठनों और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। लोगों को विश्वास है कि वे अनुसूचित जनजाति वर्ग के हक और अधिकारों की आवाज को मजबूती से उठाएंगे और केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाने में प्रभावी भूमिका निभाएंगे।

इन्होंने दी बधाई: इस नियुक्ति पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र रघुवंशी (जीतू) सहित टिंकल झा, जनक सिंह रावत, ऋषि गोस्वामी सेन, धर्मेन्द्र जाटव, संतोष गोस्वामी, आकाश खटीक, कैलाश धाकड़ सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने मनीष राजपूत को बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

करैरा में जनकल्याण पखवाड़े का रंग, पर्यावरण की थीम पर सजा शिविर , विधायक रमेश खटीक ने हितग्राहियों को सौंपे स्वीकृति पत्र

करैरा । विश्व पर्यावरण दिवस और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश पर करैरा जनपद पंचायत में तीन दिवसीय जनकल्याणकारी शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 12 जून से शुरू हुए इस शिविर का उद्देश्य विभिन्न ग्राम पंचायतों के वंचित हितग्राहियों को एक ही स्थान पर सभी विभागों की योजनाओं से लाभान्वित करना है।

जनप्रतिनिधियों ने किया शुभारंभ

शिविर का शुभारंभ गुरुवार को जनपद पंचायत अध्यक्ष पुष्पेन्द्र जाटव एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने किया। शिविर के दूसरे दिन शुक्रवार को क्षेत्रीय विधायक रमेश खटीक मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के तहत चयनित पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए और कहा, "सरकार की मंशा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे। अधिकारी शिविर में आए हर नागरिक की समस्या को गंभीरता से सुनें।"

पर्यावरण थीम पर रचनात्मक पहल

जनपद पंचायत सीईओ हेमन्त सूत्रकार ने बताया कि जनकल्याण पखवाड़े को केवल औपचारिकता न बनाकर जन-जागरूकता से जोड़ा गया है। इसी क्रम में 13 जून को जनपद प्रांगण में स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए 'पर्यावरण संरक्षण' थीम पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने रंगों के माध्यम से पेड़ बचाओ, जल संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त गांव का संदेश दिया। सीईओ ने बताया कि विजेता प्रतिभागियों को शिविर के समापन पर पुरस्कृत किया जाएगा।

एक ही छत के नीचे सभी विभाग

शिविर में राजस्व, पंचायत, महिला-बाल विकास, कृषि, सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य, शिक्षा समेत सभी विभागों के काउंटर लगाए गए हैं।

करेरा में एसडीएम अनुपम शर्मा ने संभाला पदभार

हेमंत भार्गव

करेरा। करेरा अनुविभाग को नए अनुभागीय अधिकारी एवं दंडाधिकारी के रूप में अनुपम शर्मा ने करेरा एसडीएम के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने कार्यालय के न्यायालयों के रीडरों, विभिन्न शाखाओं के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया तथा निर्वाचन शाखा, कानूनगो शाखा सहित अन्य शाखाओं के कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ करें तथा प्रत्येक कार्य को समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपन्न करें, जिससे किसी प्रकार की समस्या उच्च स्तर तक न पहुंचे।

पदभार ग्रहण के दौरान नायब तहसीलदार लज्जाराम राजोरिया, राजस्व निरीक्षक, रीडर सहित तहसील के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि अनुपम शर्मा हाल ही में जिले के पोहरी अनुविभाग में एसडीएम के पद पर पदस्थ रहे हैं। हाल ही में जिला कलेक्टर द्वारा किए गए प्रशासनिक फेरबदल के तहत उनकी पदस्थापना करेरा में की गई है। वहीं करेरा में पदस्थ रहे एसडीएम अनुराग निंगवाल को जिला मुख्यालय शिवपुरी पदस्थ किया है।

साईखेड़ाकला में बन रही पुलिया की गुणवत्ता पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल, जांच की मांग

महेन्द्र मालवीय

बुरहानपुर जिले के खकनार ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत साईखेड़ाकला में इन दिनों निर्माणाधीन एक पुलिया का कार्य स्थानीय स्तर पर चर्चा और विवादों का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों और क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने इस पुलिया निर्माण की कार्यशैली और गुणवत्ता को लेकर असंतोष व्यक्त किया है और मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग उठाई है।

तेज बहाव क्षेत्र में निर्माण, मजबूती को लेकर आशंकाएं स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, यह पुलिया जिस स्थान पर बनाई जा रही है, वहां वर्षाकाल के दौरान पानी का भराव और बहाव की गति काफी अधिक रहती है। ऐसे में निर्माण कार्य में अत्यधिक तकनीकी सतर्कता और मजबूती की आवश्यकता होती है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण के दौरान तकनीकी मापदंडों का पूरी तरह पालन नहीं दिखाई दे रहा है। लोगों ने आशंका जताई है कि पुलिया के बेस (नींव) में प्राक्कलन के अनुरूप सरिये का पर्याप्त उपयोग नहीं किया गया है, जिससे भविष्य में इसके टिकाऊपन पर असर पड़ सकता है। इसके साथ ही, कार्य में उपयोग की जा रही रेत की गुणवत्ता को लेकर भी ग्रामीणों ने असंतोष जताया है। उनका कहना है कि निर्माण सामग्री में अमानक स्तर की चीजों का मिश्रण दिख रहा है, जिसकी जांच होना जरूरी है।

उपयंत्री के भौतिक सत्यापन पर उठे सवाल किसी भी पंचायत स्तरीय निर्माण कार्य में तकनीकी देखरेख और समय-समय पर भौतिक सत्यापन की जिम्मेदारी संबंधित उपयंत्री (सब-इंजीनियर) की होती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जिम्मेदार अधिकारी समय रहते मौके का निरीक्षण कर निर्माण कार्य को दिशा-निर्देश दें, तो गुणवत्ता बेहतर हो सकती है। क्षेत्रवासियों को डर है कि यदि इस समय ध्यान नहीं दिया गया, तो आगामी बारिश में होने वाले किसी भी नुकसान को 'अत्यधिक वर्षा' का बहाव बताकर टाल दिया जाएगा, जिससे शासकीय राशि का नुकसान हो सकता है।

जिम्मेदारों ने साधी चुप्पी, जवाब देने से कतरा रहे अधिकारी

इस पूरे मामले में निष्पक्षता और वास्तविकता जानने के लिए जब संबंधित उपयंत्री से मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उनसे बात नहीं हो सकी। इसके पश्चात जब प्रभारी सचिव से इस विषय पर जानकारी चाही गई, तो उन्होंने इस संबंध में सीधे सरपंच से बात करने की सलाह देकर अपना पक्ष स्पष्ट नहीं किया। शासकीय निर्माण कार्यों में पारदर्शिता बेहद जरूरी है। ग्रामीणों की मांग है कि निर्माण कार्य को पूरी तरह प्राक्कलन के अनुसार पारदर्शी तरीके से कराया जाए, ताकि भविष्य में किसी भी संभावित दुर्घटना या नुकसान से बचा जा सके। अब देखना होगा कि इस विषय पर वरिष्ठ अधिकारी क्या संज्ञान लेते हैं।

ओमान के पास जहाज 'विराट-1' के साथ हादसा

14 भारतीय नाविक थे सवार; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

ओमान के तट के पास भारतीय नाविकों को लेकर जा रहे जहाज 'विराट-1' के साथ हादसे की खबर सामने आई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जहाज पर 14 भारतीय नाविक सवार थे। हादसे के बाद स्थानीय समुद्री एजेंसियों और बचाव दलों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक जहाज को समुद्र में तकनीकी समस्या या प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, जिसके बाद आपात संदेश भेजा गया। सूचना मिलते ही ओमान की समुद्री सुरक्षा एजेंसियां और संबंधित बचाव दल मौके पर पहुंच गए। फिलहाल सभी नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

भारतीय दूतावास भी पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। हाल के दिनों में ओमान और खाड़ी क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर कई घटनाएं सामने आई हैं, जिसके चलते भारतीय अधिकारियों ने भी स्थिति पर करीबी निगरानी रखी हुई है। अभी तक किसी भारतीय नाविक के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बचाव अभियान पूरा होने के बाद ही नुकसान और हादसे के कारणों की स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

प्रमुख बिंदु

ओमान के पास जहाज 'विराट-1' हादसे का शिकार।

जहाज पर 14 भारतीय नाविक सवार थे।

स्थानीय एजेंसियों द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन जारी।

भारतीय दूतावास हालात पर नजर बनाए हुए।

नाविकों की स्थिति को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंतजार। अधिकारियों ने कहा है कि जैसे ही रेस्क्यू अभियान पूरा होगा, विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

दान पेटी से गायब होती रही रकम

किसी को भनक नहीं! राम मंदिर गबन मामले में बड़ा खुलासा

अयोध्या के राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में जांच आगे बढ़ने के साथ नए तथ्य सामने आ रहे हैं। जांच एजेंसियों को मिले शुरुआती संकेतों के अनुसार, चंदे की राशि में गड़बड़ी का यह सिलसिला मार्च 2025 से चल रहा था। हैरानी की बात यह है कि इतने लंबे समय तक मामला या तो पकड़ में नहीं आया या फिर उस पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। जांच के दौरान मंदिर परिसर के CCTV फुटेज, कैश काउंटिंग से जुड़े रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजी साक्ष्य जुटाए गए हैं। अधिकारियों का मानना है कि इन सबूतों के आधार पर यह स्पष्ट हो सकेगा कि कथित गबन में कौन-कौन लोग शामिल थे और धनराशि को किस तरह से इधर-उधर किया गया। सूत्रों के मुताबिक, दान पेटियों से निकाली गई राशि और आधिकारिक रिकॉर्ड के बीच अंतर पाए जाने के बाद मामला सामने आया। इसके बाद जांच का दायरा बढ़ाया गया और संबंधित कर्मचारियों तथा पूर्व कर्मियों से पूछताछ शुरू की गई। कुछ संदिग्धों के वित्तीय लेनदेन और संपत्तियों की भी जांच की जा रही है। इस मामले में एक पूर्व कर्मचारी के पास से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद होने की जानकारी भी सामने आई है, जिसके बाद जांच एजेंसियां उसकी आय और संपत्ति के स्रोतों की पड़ताल कर रही हैं। वहीं, मंदिर ट्रस्ट ने साफ किया है कि मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और पूरी पारदर्शिता के साथ जांच कराई जा रही है। उधर, मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल (SIT) और पुलिस की टीमें लगातार साक्ष्य जुटाने में लगी हैं। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कथित गबन की वास्तविक राशि कितनी है और इस पूरे प्रकरण के पीछे कौन-कौन लोग शामिल थे। फिलहाल, CCTV फुटेज और वित्तीय रिकॉर्ड को जांच का सबसे अहम आधार माना जा रहा है।